B.Ed. I[st] year

SUBJECT :- Teaching of Social Science

TOPIC :- अनुदेशनात्मक व्यूह रचना

(Instructional Strategies)

शिक्षण के सन्दर्भ मे नीति अथवा स्ट्रैटेजी शब्द से तात्पर्य- स्ट्रैटेजी कार्य के उन रूपो को कहते है जिन्हे कुछ उपलब्धियों को प्राप्त करने के लिए प्रयोग किया जाता है, तथा कुछ आवश्यक कार्यो से रक्षा करते है।

प्रसिद्ध लेखक ई० स्टोंस तथा एस० मौरिस (1972) द्वारा अपनी प्रसिद्ध पुस्तक- " प्रैक्टिस -प्रॉब्लम एण्ड पर्सपेक्टिव्स" मे लिखा है कि -"शिक्षण व्यूह रचना से तात्पर्य किसी पाठ के शिक्षण हेतु अपनायी गई उस सामान्यीकृत योजना से है जिसमें संरचना, अनुदेशनात्मक उद्देश्यों के रूप मे वांछित विद्यार्थी व्यवहार तथा व्यूह रचना को प्रयोग मे लाने के लिए आवश्यक युक्तियों की रूपरेखा का समावेश हो।"

आई० के० डेविस के अनुसार :- "शिक्षण की नीतियाँ शिक्षण की विधियो से अधिक व्यापक होती है।

ब्राउडी के अनुसार :- "शिक्षण नीतियो का सम्बन्ध एवं क्षेत्र अत्यन्त ही व्यापक है। शिक्षण व्यूह रचनाओ मे, विभिन्न शिक्षण विधियो, रीतियाँ तथा युक्तियाँ सम्मिलित है।"

P.T.O.

अन्वेषण युक्त रचनाओं का सामाजिक अध्ययन

शिक्षण में महत्व :- महत्व निम्नलिखित है।

⇒ शिक्षण युक्त रचनाएँ शिक्षण को व्यवहारिक रूप प्रदान करने, सरल, स्पष्ट व आकर्षक बनाने में सहायता करती है।

⇒ विषय-वस्तु के स्थायित्व में तथा शिक्षण को प्रयोजनवादी बनाने में सहायता प्रदान करती है।

⇒ शिक्षण युक्त रचनाएँ शिक्षण में बोधात्मक रूप तथा छात्रों में सृजनात्मक क्षमताओं के विकास में सहायक है।

⇒ शिक्षण युक्त रचनाएँ शिक्षक को ग्रहणात्मक रूप, तथा छात्रों के प्रति उचित एवं सार्थक दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक है।

⇒ इसके माध्यम से छात्रों में विश्लेषण एवं संश्लेषण की प्रवृत्ति का विकास तथा शिक्षण को वास्तविक रूप प्रदान करने और ज्ञानात्मक, भावात्मक, क्रियात्मक तीनों उद्देश्यों की प्राप्ति होती है।

⇒ शिक्षण युक्त रचनाएँ शिक्षण अधिगम व्यवहार को निदानात्मक एवं रचनात्मक रूप, तथा अनुसंधान कार्यों और शिक्षण को प्रभावशाली, आकर्षक, सजीव, एवं सार्थक बनाता है।

Thankyou

by
Mr. Parveen Raj
Asst. Prof.
B.R.C.D. (SRE)

Scanned with CamScanner